भारत और इसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक व

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» परिचय: पड़ोसी देशों के विकास अनुभव का महत्व

प्रश्न 1 (आसान). भारत, पाकिस्तान और चीन ने अपनी विकास यात्रा लगभग कब शुरू की?
उत्तर – 1947-1949 के आसपास.

प्रश्न 2 (आसान). वैश्वीकरण के दौर में पड़ोसी देशों के अनुभव को समझना क्यों ज़रूरी है?
उत्तर – ताकि हम अपनी शक्तियों और कमजोरियों को पहचान सकें और प्रतिस्पर्धा का सामना कर सकें.

प्रश्न 3 (मध्यम). पड़ोसी देशों के विकास अनुभव को समझने से भारत को क्या लाभ हो सकता है?
उत्तर – भारत अपनी नीतियों की समीक्षा कर सकता है, सफल नीतियों से सीख सकता है और असफल नीतियों से बच सकता है, साथ ही क्षेत्रीय सहयोग बढ़ा सकता है.

प्रश्न 4 (कठिन). क्या केवल आर्थिक विकास ही पड़ोसी देशों से सीखने का एकमात्र पहलू है? अगर नहीं, तो और क्या?
उत्तर – नहीं, केवल आर्थिक विकास ही नहीं. राजनैतिक स्थिरता, सामाजिक समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मानवीय विकास के पहलुओं को भी समझना ज़रूरी है, ताकि एक समग्र विकास पथ बनाया जा सके.

» भारत, चीन और पाकिस्तान: विकास पथ का अवलोकन

प्रश्न 5 (आसान). भारत और पाकिस्तान किस वर्ष स्वतंत्र हुए?
उत्तर – 1947

प्रश्न 6 (आसान). चीन गणराज्य की स्थापना किस वर्ष हुई थी?
उत्तर – 1949

प्रश्न 7 (मध्यम). किस देश ने सबसे पहले अपनी पंचवर्षीय योजना की घोषणा की: भारत, चीन या पाकिस्तान?
उत्तर – भारत (1951)

प्रश्न 8 (कठिन). भारत, चीन और पाकिस्तान के स्वतंत्रता/स्थापना और पहली पंचवर्षीय योजना शुरू करने के वर्षों को सही क्रम में लिखिए.
उत्तर – भारत (स्वतंत्रता 1947, योजना 1951), पाकिस्तान (स्वतंत्रता 1947, योजना 1956), चीन (स्थापना 1949, योजना 1953)

» चीन की विकास नीतियां और सुधार

प्रश्न 9 (आसान). चीन में 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' अभियान किस वर्ष शुरू किया गया था?
उत्तर – 1958 में

प्रश्न 10 (आसान). चीन की 'सांस्कृतिक क्रांति' का नेतृत्व किसने किया था?
उत्तर – माओ त्से-तुंग (Mao Zedong)

प्रश्न 11 (मध्यम). 1978 के बाद चीन में आर्थिक सुधारों का मुख्य लक्ष्य क्या था और किन क्षेत्रों में ये सुधार किए गए?
उत्तर – मुख्य लक्ष्य अर्थव्यवस्था को खोलना और विकास को गति देना था. सुधार कृषि, उद्योग और विदेशी व्यापार व निवेश के क्षेत्रों में किए गए.

प्रश्न 12 (कठिन). ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान और सांस्कृतिक क्रांति, दोनों चीन की अर्थव्यवस्था पर कैसे अलग-अलग प्रभाव डालते हैं? दोनों के परिणामों की तुलना करें.

उत्तर – ग्रेट लीप फॉरवर्ड (1958) का उद्देश्य औद्योगीकरण और सामूहिक खेती को बढ़ावा देना था, लेकिन यह सूखे और रूसी विशेषज्ञों की वापसी के कारण विफल रहा, जिससे अकाल पड़ा. सांस्कृतिक क्रांति (1966-76) का उद्देश्य 'शुद्धता' लाना था और इसमें छात्रों व विशेषज्ञों को ग्रामीण क्षेत्रों में भेजा गया, जिससे शिक्षा और बौद्धिक विकास को काफी नुकसान हुआ. दोनों ही अभियानों ने शुरुआती दौर में चीन के आर्थिक विकास को धीमा किया और कई मुश्किलें पैदा कीं, जबकि 1978 के बाद के सुधारों ने अर्थव्यवस्था को गति दी.

» पाकिस्तान की विकास नीतियां और सुधार

प्रश्न 13 (आसान). पाकिस्तान ने कौन सा आर्थिक मॉडल अपनाया जिसमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्र एक साथ काम करते हैं?

उत्तर – मिश्रित अर्थव्यवस्था मॉडल

प्रश्न 14 (आसान). पाकिस्तान में किस क्रांति के कारण अनाज का उत्पादन बहुत बढ़ गया था?

उत्तर – हरित क्रांति

प्रश्न 15 (मध्यम). राष्ट्रीयकरण के बाद, पाकिस्तान ने उद्योगों को फिर से निजी हाथों में क्यों देना शुरू किया?

उत्तर – क्योंकि उन्हें लगा कि सरकारी प्रबंधन उतना कुशल नहीं था और निजीकरण से अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा.

प्रश्न 16 (कठिन). पाकिस्तान की आर्थिक विकास में पश्चिमी देशों से मिली वित्तीय सहायता और प्रवासियों द्वारा भेजे गए पैसों ने क्या भूमिका निभाई?

उत्तर – इन दोनों ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ज़रूरी पूंजी और विदेशी मुद्रा प्रदान की, जिससे निवेश और आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा मिला.

» जनसांख्यिकीय संकेतक: भारत, चीन और पाकिस्तान की तुलना

प्रश्न 17 (आसान). भारत में प्रति वर्ग किलोमीटर कितने लोग रहते हैं, इसे क्या कहते हैं?

उत्तर – जनसंख्या घनत्व

प्रश्न 18 (आसान). कौन सा देश सबसे पहले 'एक संतान नीति' लेकर आया था?

उत्तर – चीन

प्रश्न 19 (मध्यम). भारत, चीन और पाकिस्तान में से किस देश की जनसंख्या वृद्धि दर सबसे अधिक है?

उत्तर – पाकिस्तान की

प्रश्न 20 (कठिन). चीन की 'एक संतान नीति' के दो मुख्य प्रभाव क्या रहे?

उत्तर – जनसंख्या वृद्धि दर में कमी और लिंगानुपात में गिरावट (महिलाओं की संख्या कम हुई).

» सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और क्षेत्रीय योगदान

प्रश्न 21 (आसान). GDP का पूरा नाम क्या है?

उत्तर – सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product)

प्रश्न 22 (आसान). तीन मुख्य आर्थिक क्षेत्र कौन से हैं?

उत्तर – कृषि, उद्योग और सेवा

प्रश्न 23 (मध्यम). अगर किसी देश की GDP बढ़ रही है, तो इसका क्या मतलब है?

उत्तर – इसका मतलब है कि देश में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ रहा है, और देश आर्थिक रूप से तरक्की कर रहा है.

प्रश्न 24 (कठिन). चीन की GDP भारत और पाकिस्तान से बहुत ज़्यादा क्यों है, जबकि जनसंख्या वृद्धि दर कम है?
उत्तर – चीन ने उद्योग और सेवा क्षेत्रों में बहुत तेज़ी से विकास किया है, और उसने कृषि पर निर्भरता कम करके बड़े पैमाने पर विनिर्माण और निर्यात पर ध्यान केंद्रित किया है. इससे उसकी GDP में भारी वृद्धि हुई है, भले ही जनसंख्या वृद्धि दर कम हो.

» मानव विकास संकेतक: तुलना और महत्व

प्रश्न 25 (आसान). मानव विकास के किन्हीं दो संकेतकों के नाम बताओ।
उत्तर – जीवन प्रत्याशा, साक्षरता दर।

प्रश्न 26 (आसान). स्वतंत्रता संकेतकों का क्या महत्व है?
उत्तर – ये लोगों को सामाजिक व राजनीतिक निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी करने की आज़ादी दर्शाते हैं।

प्रश्न 27 (मध्यम). भारत, चीन और पाकिस्तान में से कौन सा देश गरीबी रेखा से नीचे के लोगों का अनुपात कम करने में भारत से आगे है?
उत्तर – चीन और पाकिस्तान दोनों।

प्रश्न 28 (कठिन). केवल HDI ही पर्याप्त नहीं है, इसके साथ और क्या ज़रूरी है? समझाइए।
उत्तर – केवल HDI पर्याप्त नहीं है क्योंकि इसमें स्वतंत्रता संकेतक शामिल नहीं होते। लोगों को नागरिक अधिकार, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और विधि-सम्मत शासन मिलना भी ज़रूरी है ताकि उनका पूर्ण विकास हो सके और वे सही मायने में स्वतंत्र जीवन जी सकें।

» विकास नीतियों का मूल्यांकन: सफलताएं और चुनौतियां

प्रश्न 29 (आसान). भारत में आर्थिक सुधार कब शुरू हुए?
उत्तर – 1991 में।

प्रश्न 30 (आसान). चीन ने सुधार कार्यक्रम किस वर्ष शुरू किया?
उत्तर – 1978 में।

प्रश्न 31 (मध्यम). पाकिस्तान की विकास नीतियों में मुख्य चुनौतियां क्या रही हैं?
उत्तर – कृषि वृद्धि का अस्थिर होना, विदेशी ऋणों पर निर्भरता बढ़ना, और राजनीतिक अस्थिरता।

प्रश्न 32 (कठिन). चीन ने भारत और पाकिस्तान की तरह बाहरी दबाव के बिना सुधार क्यों शुरू किए, और इसका क्या फायदा हुआ?
उत्तर – चीन ने अपनी धीमी आर्थिक वृद्धि और आधुनिकीकरण की कमी को दूर करने के लिए अपनी मर्जी से सुधार शुरू किए। इससे उन्हें अपने सुधारों को छोटे पैमाने पर प्रयोग करने और सफल होने पर बड़े पैमाने पर लागू करने का मौका मिला, जिससे उनकी अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि हुई और गरीबी कम हुई।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. भारत के लिए अपने पड़ोसी देश, जैसे चीन और पाकिस्तान, के विकास अनुभव को समझना क्यों महत्वपूर्ण है?

› पहला कदम है यह पहचानना कि हम तीनों देशों ने लगभग एक ही समय पर विकास की यात्रा शुरू की थी.
› दूसरा कदम है यह देखना कि हमने और उन्होंने कौन सी आर्थिक नीतियां (जैसे पंचवर्षीय योजनाएं) अपनाईं.
› तीसरा कदम है इन नीतियों के परिणाम की तुलना करना - किसकी नीतियां ज़्यादा सफल रहीं और क्यों.
› इससे भारत अपनी नीतियों की ताकत और कमजोरियों को समझ पाता है, और भविष्य के लिए बेहतर फैसले ले पाता है.

उत्तर – भारत अपने पड़ोसी देशों के विकास अनुभवों से सीखकर अपनी आर्थिक नीतियों, सामाजिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर रणनीतियाँ बना सकता है, और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत कर सकता है.

उदाहरण 2. प्रश्न: भारत, चीन और पाकिस्तान ने अपनी पहली पंचवर्षीय योजनाएं किस वर्ष में शुरू कीं?

› पहला, भारत ने स्वतंत्रता के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 1951 में पहली पंचवर्षीय योजना शुरू की.

› दूसरा, चीन ने 1949 में गणराज्य बनने के बाद, 1953 में अपनी पहली पंचवर्षीय योजना घोषित की.

› तीसरा, पाकिस्तान ने भी भारत की तरह ही स्वतंत्रता के बाद 1956 में अपनी पहली पंचवर्षीय योजना लागू की, जिसे मध्यकालिक विकास योजना भी कहते थे.

उत्तर – भारत ने 1951 में, चीन ने 1953 में, और पाकिस्तान ने 1956 में अपनी पहली पंचवर्षीय योजनाएं शुरू कीं.

उदाहरण 3. चीन ने 1978 के बाद के आर्थिक सुधारों में किन मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया और इसका क्या परिणाम हुआ?

› पहला चरण: कृषि पर सुधार किए गए. कम्यून प्रणाली की ज़मीन को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर परिवारों को दिया गया (मालिकाना हक़ नहीं, बस इस्तेमाल के लिए). किसानों को अपनी पैदावार का एक निश्चित हिस्सा सरकार को देने के बाद, बचा हुआ बाज़ार में बेचने की आज़ादी मिली.

› दूसरा चरण: उद्योग क्षेत्र में सुधार किए गए. सरकारी उद्योगों (SOEs) के साथ-साथ निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी बढ़ावा दिया गया. प्रतिस्पर्धा बढ़ी.

› तीसरा चरण: विदेशी व्यापार और निवेश पर ज़ोर दिया गया. विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए 'विशेष आर्थिक क्षेत्र' (Special Economic Zones - SEZs) बनाए गए.

› परिणाम: इन सुधारों के कारण चीन की अर्थव्यवस्था में तेज़ी से विकास हुआ, खासकर औद्योगिक उत्पादन और जीडीपी में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई.

उत्तर – चीन ने 1978 के बाद कृषि, उद्योग और विदेशी व्यापार व निवेश पर केंद्रित आर्थिक सुधार किए, जिसके परिणामस्वरूप उसकी अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई और वह एक बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया.

उदाहरण 4. पाकिस्तान ने अपनी अर्थव्यवस्था के विकास के लिए शुरुआती दशकों में कौन सी प्रमुख नीति अपनाई, जिसका उद्देश्य देश के अंदर ही उत्पादन बढ़ाना था?

› सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि शुरुआती दशकों में पाकिस्तान का मुख्य लक्ष्य क्या था.

› उनकी एक नीति थी जहाँ वे उन वस्तुओं को देश के अंदर ही बनाना चाहते थे जिन्हें वे पहले बाहर से मंगाते थे.

› इस नीति का नाम 'आयात प्रतिस्थापन' था, जहाँ 'आयात' मतलब बाहर से मंगाना और 'प्रतिस्थापन' मतलब उसकी जगह खुद बनाना.

उत्तर – पाकिस्तान ने शुरुआती दशकों में 'आयात प्रतिस्थापन' की नीति अपनाई, जिसका उद्देश्य देश के अंदर ही उत्पादन बढ़ाना था.

उदाहरण 5. मान लीजिए किसी शहर की जनसंख्या 10 साल में 1 लाख से 1.2 लाख हो गई. तो उसकी औसत वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर क्या होगी?

› सबसे पहले, जनसंख्या में कुल वृद्धि निकालें: 1.2 लाख - 1 लाख = 0.2 लाख.

› यह वृद्धि 10 साल में हुई है, तो औसत वार्षिक वृद्धि दर निकालने के लिए कुल वृद्धि को सालों की संख्या से भाग दें: 0.2 लाख / 10 साल = 0.02 लाख प्रति वर्ष.

› प्रतिशत में निकालने के लिए, (0.02 लाख / 1 लाख) * 100 = 2%.

› तो, औसत वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर 2% है.

उत्तर – 2% प्रति वर्ष

उदाहरण 6. मान लीजिए एक देश की GDP 1000 करोड़ रुपये है. अगर कृषि क्षेत्र का योगदान 20%, उद्योग का 30% और सेवा क्षेत्र का 50% है, तो प्रत्येक क्षेत्र का GDP में कितना योगदान हुआ?

› कुल GDP = 1000 करोड़ रुपये
› कृषि क्षेत्र का योगदान = 1000 करोड़ * 20/100 = 200 करोड़ रुपये
› उद्योग क्षेत्र का योगदान = 1000 करोड़ * 30/100 = 300 करोड़ रुपये
› सेवा क्षेत्र का योगदान = 1000 करोड़ * 50/100 = 500 करोड़ रुपये

उत्तर – कृषि का 200 करोड़, उद्योग का 300 करोड़ और सेवा का 500 करोड़ रुपये का योगदान है.

उदाहरण 7. तालिका के अनुसार भारत, चीन और पाकिस्तान में शिशु मृत्यु दर (प्रति 1000 जीवित जन्म पर) क्रमशः 28, 7 और 57 है। बताइए सबसे अच्छी स्थिति किस देश की है और क्यों?

› शिशु मृत्यु दर का मतलब है 1000 बच्चों के जन्म पर कितने बच्चे 1 साल से पहले मर जाते हैं।
› जिस देश में यह संख्या सबसे कम होगी, वहां की स्वास्थ्य सुविधाएं, पोषण और बच्चों की देखभाल सबसे अच्छी होगी।
› चीन की शिशु मृत्यु दर 7 है, भारत की 28 और पाकिस्तान की 57 है।
› सबसे कम संख्या चीन की है।
› यानि चीन में बच्चों के जीवन की सुरक्षा सबसे बेहतर है।

उत्तर – सबसे अच्छी स्थिति चीन की है, क्योंकि वहां प्रति 1000 जीवित जन्म पर केवल 7 शिशु मरते हैं, जो भारत (28) और पाकिस्तान (57) से बहुत कम है। यह बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और पोषण को दर्शाता है।

उदाहरण 8. चीन ने अपनी आर्थिक नीतियों में सुधार कब और क्यों शुरू किए, जबकि भारत और पाकिस्तान को बाहरी दबाव का सामना करना पड़ा?

› पहला, चीन ने 1978 में सुधार कार्यक्रम शुरू किए।
› दूसरा, चीन ने ये सुधार किसी बाहरी दबाव, जैसे विश्व बैंक या IMF, के कारण नहीं किए थे।
› तीसरा, चीन के तत्कालीन नए नेता माओवादी शासन के दौरान धीमी आर्थिक वृद्धि और आधुनिकीकरण की कमी से असंतुष्ट थे।
› चौथा, उन्होंने महसूस किया कि विकेंद्रीकरण, आत्मनिर्भरता और विदेशी तकनीक व पूंजी के बहिष्कार पर आधारित माओवादी आर्थिक दृष्टिकोण सफल नहीं हो रहा था।
› पांचवां, वे देश में तेजी से विकास और आधुनिकीकरण लाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने अपनी मर्जी से ये सुधार शुरू किए।

उत्तर – चीन ने 1978 में अपनी मर्जी से आर्थिक सुधार शुरू किए क्योंकि वे पुरानी माओवादी नीतियों से असंतुष्ट थे, जबकि भारत और पाकिस्तान को बाहरी वित्तीय संस्थानों के दबाव में सुधार करने पड़े।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• इस अध्याय से अक्सर भारत और उसके पड़ोसी देशों की विकास नीतियों की तुलना पर प्रश्न आते हैं, इसलिए हर देश की नीतियों को ध्यान से समझना और उनके प्रभावों को याद रखना बहुत ज़रूरी है.

• यह जानकारी कि कौन सा देश कब स्वतंत्र हुआ और कब उसने पहली योजना शुरू की, अक्सर सीधे-सीधे वस्तुनिष्ठ (objective) प्रश्नों में पूछी जाती है, तो इन वर्षों को ठीक से याद रखना.

• चीन की 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' अभियान, 'सांस्कृतिक क्रांति' और 1978 के आर्थिक सुधार, इन तीनों की तारीखें और उनके मुख्य उद्देश्य अच्छे से याद कर लेना. यह बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इन पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं.

• पाकिस्तान की नीतियों से जुड़े 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' और 'आयात प्रतिस्थापन' जैसे शब्दों की परिभाषा को अच्छे से समझना, क्योंकि ये बोर्ड परीक्षा में अक्सर सीधे-सीधे पूछे जाते हैं.

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है. अक्सर, 'एक संतान नीति' के प्रभाव और तीनों देशों के मुख्य जनसांख्यिकीय संकेतकों की तुलना पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं. डेटा याद रखना और उसका विश्लेषण करना सीखो.

• मानव विकास संकेतकों की तुलना पर बोर्ड परीक्षा में सीधे प्रश्न आते हैं। तालिका वाले आंकड़ों को ध्यान से पढ़ना और हर संकेतक में तीनों देशों की स्थिति याद रखना बहुत ज़रूरी है। 'स्वतंत्रता संकेतकों' के महत्व को समझाना भी एक महत्वपूर्ण दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हो सकता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› पड़ोसी देशों के विकास अनुभव को समझना: स्वयं व क्षेत्रीय सहयोग हेतु महत्वपूर्ण.

› भारत (1947/1951), चीन (1949/1953), पाकिस्तान (1947/1956) - विकास पथ.

› चीन: GLF (1958), सांस्कृतिक क्रांति (1966), 1978 आर्थिक सुधार (कृषि, उद्योग, विदेशी व्यापार).

› पाकिस्तान: मिश्रित अर्थव्यवस्था, आयात प्रतिस्थापन, हरित क्रांति, राष्ट्रीयकरण-निजीकरण, वित्तीय सहायता.

› भारत, चीन, पाक के जनसंख्या, वृद्धि, घनत्व, लिंगानुपात की तुलना, चीन की एक संतान नीति.

› मानव विकास संकेतक: जीवन, शिक्षा, आय + स्वतंत्रता; चीन > भारत, पाकिस्तान.